

English



Congratulations! You have chosen one of the finest hybrid pearl millet seeds from the Crystal. Crystal has solid experience in producing high-quality hybrid pearl millet seeds. These seeds are the result of extensive research, aimed at developing high-yielding hybrid crops suitable for diverse agricultural climates. Crystal adopts the latest technologies during seed production to ensure that farmers receive seeds of the highest quality. Crystal's hybrid pearl millet seeds provide excellent germination & better vigor with toearnt to biotic & abiotic stresses

Kindly adopt the best farming practices to get outstanding yield. The following general recommendations are provided, so we kindly ask you to read these recommendations before making any decisions.

Millet Hybrid	9444	9450	9001	PA 9180	PA 9190	PA 9190	PA 9999	PA 9072	PA 9070	PA 9385	PA 9666	PA 9777	PA 9444G
Duration													
Kharif	80-85	80-85	80-85	78-80	78-80	80-85	78-80	70-72	70-72				80-85
Rabi													
Spring	80-90	80-90								80-82	80-85	82-85	85-90

Please note according to weather onditions crop growth & maturity may be different

General recommendations													
Source of irrigation	Ranifed/ Life saving irrigation if required	Ranifed/ Life saving irrigation if required	Ranifed/ Life saving irrigation if required	Ranifed/ Life saving irrigation if required	Ranifed/ Life saving irrigation if required	Ranifed/ Life saving irrigation if required	Ranifed/ Life saving irrigation if required						
								Rainfed	Rainfed	Irrigated	Irrigated	Irrigated	Irrigated

Hybrid should be selected according to soil fertility & availability of irrigation

General recommendations to cultivate the crop	
Sowing	Sowing is to be done according to the recommended seed rate @ 1.5 Kg/acre, with sufficient moisture & recommended spacing. Soil application of insecticide before sowing to save the seed from soil insects like termites & white grub
Seed treatment	Seed is treated with thiram (75% WS) & deltamethrin (2.5% WP) hence do not soak the seed before sowing
Distance in cm (Row to row & Plant to plant)	
Rainfed/ Irrigated 60000/plants	45x10 cm
Fertilizer recommendation	FYM improves the fertility gradient of the soil. Ensure the availability of chemical fertilizers at different stages of the crop.

Recommendation of FYM & chemical fertilizers						
		FYM T/ acre	Urea (Kg/ acre)	DAP (Kg/ acre)	Potash (Kg/ acre)	
	Rainfed 60000/ plants	3	40	20	20	
	Ranifed/ Life saving irrigation if required 60000/ plants	4	60	40	20	

Recommendation of fertilizer application time						
		FYM T/ acre	Urea (Kg/ acre)	DAP (Kg/ acre)	Potash (Kg/ acre)	
	Rainfed 60000/ plants	Basal	3	5	20	20
				18		
				17		
	Ranifed/ Life saving irrigation if required 60000/ plants	Basal	4	20	40	20
				20		
				20		

Intercultivation	Weed managemeeent is very necessary in initial stage of the planted crop. Use proper methods to control the weeds
Irrigation	At the time of sowing, at the time of flowering & at the time of grain formation there should be proper moisture in the soil.
Weed management	Weed control should be done by hand weeding or application of herbicides. Pre-emergence application of Atrazine 50%WP (250 gni/acre) can be used for weed control
Insects & diseases	Insect: Insect damages the millet crop in different stages. Shoot fly & shoot borer are the major insects which decreases the yield. Other insects are termite, white grub, blister beetle, locust & caterpillars.

Insect/ Disease	Incident time	Control measures/ Chemical	Remarks
Termite	At the time of sowing	imidacompz 70%WS (10 gni kg seed)	Seed treatment
White Grub	At the time of sowing	Mixing of Carbouluran 3 G @ 12 Kg/ha with Bagra seed	
Shoot fly & shoot borer	20-25 days after sowing	imidacompz 70%WS (10 gni kg seed)	Seed treatment
Downy Mildew	Inilate from vegetative stage	Seed treatment with Agtron 35 SD @ 60kg seed	Use resistant hybrids



For more information to control & disease in field, please consult with local agriculture officers	
Harvesting & freshing	The best stage to harvest pearl millet is when the plants reach to the physiological maturity determined by the black spot at the bottom of the grain in the hilar region
Storage	After harvesting, dry the seed in sunlight properly then store in dry & cool places to control from rats & insects
Don't Do	1. Do not sow millet in fields where fungal diseases like downy mildew have spread in the previous year. 2. Do not store the millet produce in piles with excessive moisture. Make sure to dry the panicles/seeds thoroughly.
Do's	1. Identify and take preventive measures against pests and diseases in the early stages. 2. Ensure that no water accumulates in the fields at any stage of the crop's growth.
Note	The above information is a general advisory. For specific recommendations related to particular region, please contact your local State Agriculture Department.
Precations	Crop growth and yield can be affected by various factors. Therefore, it is recommended to consult your local agricultural officer for advice. Ensure that only high-quality fertilizers and pesticides are used. Retain the bills for the purchase of seeds, fertilizers, and pesticides.

HINDI



बधाईयां! आपने क्रिस्टल के सबसे बेहतरीन हाइब्रिड बाजरा प्रजातियों में से एक को चुना है. क्रिस्टल को उच्च गुणवत्ता वाले हाइब्रिड बाजरा प्रजातियों के उत्पादन में बेहतरीन अनुभव है. ये किस्म व्यापक अनुसंधान का परिणाम हैं, जिसका उद्देश्य विभिन्न कृषि जलवायु के लिए उपयुक्त ज्यादा उपज वाली हाइब्रिड प्रजातियों को विकसित करना है. क्रिस्टल हाइब्रिड किस्म उत्पादन के दौरान नवीनतम तकनीकों का प्रयोग किया जाता है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि किसानों को उच्चतम गुणवत्ता वाले बीज ही मिलें. क्रिस्टल के हाइब्रिड बाजरा बीज जैविक और अजैविक तनावों के लिए उत्कृष्ट हाइब्रिड और बेहतर मजबूती प्रदान करते हैं. कृपया बेहतरीन उपज प्राप्त करने के लिए सर्वोत्तम कृषि विधियों को अपनाएँ. इसके लिए नीचे कुछ सामान्य सिफारिशों की गई हैं. इसलिए हम आपसे अनुरोध करते हैं कि कोई भी निर्णय लेने से पहले इन सिफारिशों को अवश्य पढ़ें.

हाइब्रिड बाजरा	9444	9450	9001	PA 9180	PA 9190	PA 9190	PA 9999	PA 9072	PA 9070	PA 9385	PA 9666	PA 9777	PA 9444G
अवधि													
खरीफ	80-85	80-85	80-85	78-80	78-80	80-85	78-80	70-72	70-72				80-85
रबी													
वसंत	80-90	80-90								80-82	80-85	82-85	85-90

कृपया ध्यान दें कि मौसम की स्थिति के अनुसार फसल की वृद्धि और परिष्कृता में अंतर हो सकता है.

सामान्य सिफारिशें													
सिंचाई का स्रोत	परि. बाजरा हाई तो वर्षा/आधारित/रक सिंचाई	परि. बाजरा हाई तो वर्षा/आधारित/रक सिंचाई	परि. बाजरा हाई तो वर्षा/आधारित/रक सिंचाई	परि. बाजरा हाई तो वर्षा/आधारित/रक सिंचाई	परि. बाजरा हाई तो वर्षा/आधारित/रक सिंचाई	परि. बाजरा हाई तो वर्षा/आधारित/रक सिंचाई	परि. बाजरा हाई तो वर्षा/आधारित/रक सिंचाई	परि. बाजरा हाई तो वर्षा/आधारित/रक सिंचाई	परि. बाजरा हाई तो वर्षा/आधारित/रक सिंचाई	परि. बाजरा हाई तो वर्षा/आधारित/रक सिंचाई	परि. बाजरा हाई तो वर्षा/आधारित/रक सिंचाई	परि. बाजरा हाई तो वर्षा/आधारित/रक सिंचाई	परि. बाजरा हाई तो वर्षा/आधारित/रक सिंचाई
	परि. बाजरा हाई तो वर्षा/आधारित/रक सिंचाई	परि. बाजरा हाई तो वर्षा/आधारित/रक सिंचाई	परि. बाजरा हाई तो वर्षा/आधारित/रक सिंचाई	परि. बाजरा हाई तो वर्षा/आधारित/रक सिंचाई	परि. बाजरा हाई तो वर्षा/आधारित/रक सिंचाई	परि. बाजरा हाई तो वर्षा/आधारित/रक सिंचाई	परि. बाजरा हाई तो वर्षा/आधारित/रक सिंचाई	परि. बाजरा हाई तो वर्षा/आधारित/रक सिंचाई	परि. बाजरा हाई तो वर्षा/आधारित/रक सिंचाई	परि. बाजरा हाई तो वर्षा/आधारित/रक सिंचाई	परि. बाजरा हाई तो वर्षा/आधारित/रक सिंचाई	परि. बाजरा हाई तो वर्षा/आधारित/रक सिंचाई	परि. बाजरा हाई तो वर्षा/आधारित/रक सिंचाई

मिट्टी की उर्वरता और सिंचाई की उपलब्धता के अनुसार हाइब्रिड बीजों का घयन किया जाना चाहिए.

फसल की खेती के लिए सामान्य सिफारिशें	
बुवाई	बुवाई को सिफारिश की गई बीज दर, यानी 1.5 किग्रा/एकर के अनुसार, पर्याप्त नमी और सिफारिश किए गए अंतराल के साथ किया जाना चाहिए. बीज को दीमक और सफेद भिड़र जैसे मिट्टी के कीटों से बचाने के लिए बुवाई से पहले कीटनाशक का मिट्टी में छिड़काव करना चाहिए.
बीज उपचार	बीज को थिरम (75% WS) और डेल्टामेथ्रिन (2.5% WP) से उपचारित किया जाता है. इसलिए बुवाई से पहले बीजों को निमोएँ नहीं.
दूरी सें.मी. में (पंक्ति से पंक्ति और पौधे से पौधे)	
वर्षा आधारित/सिंचित 60000 पौधे/एकर	45x10 cm

उर्वरक की सिफारिश	गोबर की खाद से मिट्टी की उर्वरता बेहतर बनती है. फसल की विभिन्न अवस्थाओं पर रासायनिक खादों की उपलब्धता सुनिश्चित करें.						
	गोबर की खाद और रासायनिक खाद संबंधी सिफारिश						
				गोबर की खाद टन/एकड़	यूरिया (कि.ग्रा./एकड़)	डीएपी (कि.ग्रा./एकड़)	पोटाश (कि.ग्रा./एकड़)
	वर्षा आधारित 60000 पौधे/एकड़		3	40	20	20	
	यदि आवश्यक हो तो वर्षा आधारित/जीवन रक सिंचाई 60000 पौधे/एकड़		4	60	40	20	

गोबर की खाद और रासायनिक खाद संबंधी सिफारिश							
			गोबर की खाद टन/एकड़	यूरिया (कि.ग्रा./एकड़)	डीएपी (कि.ग्रा./एकड़)	पोटाश (कि.ग्रा./एकड़)	
वर्षा आधारित 60000 पौधे/एकड़	बुवाई के समय	3	5	20	20		
		झुका के 3-4 म्क हफ	18				
		झुका के 6-7 म्क हफ	17				
यदि आवश्यक हो तो वर्षा आधारित/जीवन रक सिंचाई 60000 पौधे/एकड़	बुवाई के समय	4	20	40	20		
		झुका के 3-4 म्क हफ	20				
		झुका के 6-7 म्क हफ	20				

निर्गई गुदाई	रोमी गई फसल की प्राथमिक अवस्था में खरपतार प्रबंधन बहुत आवश्यक है. खरपतारों को नियंत्रित करने के लिए उचित विधियों का उपयोग करें.
सिंचाई	बुवाई के समय, भूत आने के समय और दाने बनने के समय मिट्टी में उचित नमी होनी चाहिए.
खरपतार प्रबंधन	खरपतार नियंत्रण राध से निर्गई करके या खरपतार नाशक प्रयोग द्वारा किया जाना चाहिए. खरपतार नियंत्रण के लिए जलने से पहले एट्रानिन 50%WP (250 ग्राम/एकर) का उपयोग किया जा सकता है.
कीट और रोग	कीट : कीट बाजरे की फसल को विभिन्न चरणों में नुकसान पहुंचाते हैं. हट्ट फसल और तन छेद प्रमुख कीट हैं जो उपज को कम करते हैं. अन्य कीट दीमक, सफेद भिड़र, बिल्टर बीटल, टिड्डे और केटरपिलर हैं.

कीट/रोग	कब करें	नियंत्रण रासायनिक	टिप्पणी
दीमक	बुवाई के समय	इमिडाक्प्रिड 70%WS (10 ग्राम/कि.ग्रा. बीज)	बीज उपचार
सफेद भिड़र	बुवाई के समय	कार्बोथेन 3 ग्रां से 12 कि.ग्रा./हेक्टेर बीज से मिले	बीज उपचार
	हट्ट फसल और हट्ट बीज	इमिडाक्प्रिड 70%WS (10 ग्राम/कि.ग्रा. बीज)	बीज उपचार
	हट्ट फसल और हट्ट बीज	कार्बोथेन 3 ग्रां से 12 कि.ग्रा./हेक्टेर बीज से मिले	बीज उपचार
हट्ट फसल और हट्ट बीज	हट्ट फसल और हट्ट बीज	इमिडाक्प्रिड 70%WS (10 ग्राम/कि.ग्रा. बीज)	बीज उपचार
हट्ट फसल और हट्ट बीज	हट्ट फसल और हट्ट बीज	कार्बोथेन 3 ग्रां से 12 कि.ग्रा./हेक्टेर बीज से मिले	बीज उपचार



खेत में निबंधन और रोग के बारे में अधिक जानकारी के लिए, कृपया स्थानीय कृषि अधिकारियों से परामर्श करें.	
काटई और प्रेशिंग	बाजरे काटई के लिए सबसे अच्छी अवस्था वह है जब पौधे भौतिक रूप से परिष्कृता तक पहुंच जाते हैं. जो हिलर क्षेत्र में अनाज के निचले हिस्से में काले धब्बे द्वारा निर्धारित होते हैं.
भंडारण	काटई के बाद, बीजों को धूप में अच्छी तरह से सुखाना और कीटों से बचाने के लिए उन्हें सूखी और ठंडी जगह पर भंडारित करें.
व्यापन करें	1. उन खेतों में बाजरा न बोएं जहाँ पिछले साल काउनी मिट्ट्या जैसी फसलजन्य बीमारियाँ फैली हैं. 2. बाजरे की फसल को बहुत ज्यादा नमी वाले क्षेत्र में न रखें. मिट्टी/बाहियों को अच्छी तरह से सुखाना सुनिश्चित करें.
व्यापन करें	1. सुखती चरणों में कीटों और बीमारियों को पहचान करें और उनके विरुद्ध निवारक उपाय करें. 2. सुनिश्चित करें कि फसल के विकास के किसी भी चरण में खेतों में पानी नमी नहीं हो.
ध्यान दें	उपक्रम जानकारी एक सामान्य सलाह है. किसी विशेष इलाके से संबंधित विशिष्ट सिफारिशों के लिए, कृपया अपने स्थानीय राज्य कृषि विभाग से संपर्क करें.
सावधानियाँ	फसल की बढ़ाव और राज्य विभिन्न कारकों से प्रभावित हो सकती है. इसलिए, सलाह के लिए अपने स्थानीय कृषि अधिकारी से परामर्श करने की सलाह दी जाती है. यह सुनिश्चित करें कि केवल उच्च गुणवत्ता वाले उर्वरक और कीटनाशकों का उपयोग ही किया जाए. बीज, उर्वरक और कीटनाशकों की खरीद के बिल संग्रहीत कर रखें.

GUJARATI



અભિનંદન! તમે ફિટલ કંપનીના શ્રેષ્ઠ હાઈબ્રિડ બાજરા બીજમાંથી એક પસંદ કર્યું છે. ફિટલ ઉચ્ચ-ગુણવત્તાવાળા હાઈબ્રિડ બાજરા બીજનું ઉત્પાદન કરવાનો મજબૂત અનુભવ ધરાવે છે. કૃષિ સંબંધિત વિભિન્ન આગેહવા માટે યોગ્ય ઉચ્ચ-ઉપજ આપનારા હાઈબ્રિડ પાક વિકસાવવાના ઉદ્દેશ્યથી વ્યાપક સંશોધન બાદ આ બીજ તૈયાર કરવામાં આવ્યા છે. ફિટલ ખેડૂતોને ઉચ્ચ ગુણવત્તાવાળા બીજ મળે તેની ખાતરી કરવા માટે બીજ ઉત્પાદન દરમિયાન તાજેતરની ટેકનોલોજીઓનો ઉપયોગ કરે છે. ફિટલના હાઈબ્રિડ બાજરા બીજ ઉત્તમ અંકુરણ અને જૈવિક તેમજ અજૈવિક તાણથી મુક્તિ માટે વધુ સારી શક્તિ પ્રદાન કરે છે. ઉત્તમ ઉપજ મેળવવા માટે કૃષા કરીને શ્રેષ્ઠ કૃષિ પદ્ધતિઓ અપનાવો. બીજે સામાન્ય ભલામણો આપવામાં આવી છે, તેથી અમે તમને કોઈપણ ભિર્ણિય લેતા પહેલાં આ ભલામણો વાંચવાની વિનંતી કરીએ છીએ.

હાઈબ્રિડ બાજરા સમયગાળો	9444	9450	9001	PA 9180	PA 9190	PA 9190	PA 9999	PA 9072	PA 9070	PA 9385	PA 9666	PA 9777	PA 9444G
ખરીફ	80-85	80-85	80-85	78-80	78-80	80-85	78-80	70-72	70-72				80-85
રબી													
વસંત	80-90	80-90								80-82	80-85	82-85	85-90

કૃષા કરીને નોંધમાં લેશો કે, હવામાનની સ્થિતિ અનુસાર પાકનો વિકાસ અને પરિપક્વતામાં ફેરફાર હોઈ શકે છે.

સામાન્ય ભલામણો													
સિંચાઈનો સ્રોત	ખે પડ્ડી હોય તો વરસાદ/આધારિત/ગુણવત્તક સિંચાઈ	ખે પડ્ડી હોય તો વરસાદ/આધારિત/ગુણવત્તક સિંચાઈ	ખે પડ્ડી હોય તો વરસાદ/આધારિત/ગુણવત્તક સિંચાઈ	ખે પડ્ડી હોય તો વરસાદ/આધારિત/ગુણવત્તક સિંચાઈ	ખે પડ્ડી હોય તો વરસાદ/આધારિત/ગુણવત્તક સિંચાઈ	ખે પડ્ડી હોય તો વરસાદ/આધારિત/ગુણવત્તક સિંચાઈ	ખે પડ્ડી હોય તો વરસાદ/આધારિત/ગુણવત્તક સિંચાઈ	ખે પડ્ડી હોય તો વરસાદ/આધારિત/ગુણવત્તક સિંચાઈ	ખે પડ્ડી હોય તો વરસાદ/આધારિત/ગુણવત્તક સિંચાઈ	ખે પડ્ડી હોય તો વરસાદ/આધારિત/ગુણવત્તક સિંચાઈ	ખે પડ્ડી હોય તો વરસાદ/આધારિત/ગુણવત્તક સિંચાઈ	ખે પડ્ડી હોય તો વરસાદ/આધારિત/ગુણવત્તક સિંચાઈ	ખે પડ્ડી હોય તો વરસાદ/આધારિત/ગુણવત્તક સિંચાઈ
	ખે પડ્ડી હોય તો વરસાદ/આધારિત/ગુણવત્તક સિંચાઈ	ખે પડ્ડી હોય તો વરસાદ/આધારિત/ગુણવત્તક સિંચાઈ	ખે પડ્ડી હોય તો વરસાદ/આધારિત/ગુણવત્તક સિંચાઈ	ખે પડ્ડી હોય તો વરસાદ/આધારિત/ગુણવત્તક સિંચાઈ	ખે પડ્ડી હોય તો વરસાદ/આધારિત/ગુણવત્તક સિંચાઈ	ખે પડ્ડી હોય તો વરસાદ/આધારિત/ગુણવત્તક સિંચાઈ	ખે પડ્ડી હોય તો વરસાદ/આધારિત/ગુણવત્તક સિંચાઈ	ખે પડ્ડી હોય તો વરસાદ/આધારિત/ગુણવત્તક સિંચાઈ	ખે પડ્ડી હોય તો વરસાદ/આધારિત/ગુણવત્તક સિંચાઈ	ખે પડ્ડી હોય તો વરસાદ/આધારિત/ગુણવત્તક સિંચાઈ	ખે પડ્ડી હોય તો વરસાદ/આધારિત/ગુણવત્તક સિંચાઈ	ખે પડ્ડી હોય તો વરસાદ/આધારિત/ગુણવત્તક સિંચાઈ	ખે પડ્ડી હોય તો વરસાદ/આધારિત/ગુણવત્તક સિંચાઈ

જમીનની ફળકૃપતા અને સિંચાઈની ઉપલબ્ધતા અનુસાર હાઈબ્રિડની પસંદગી કરવી જોઈએ.

પાકની ખેતી માટે સામાન્ય ભલામણો	
વાવણી	ભલામણ કરેલા બીજ દર એટલ કે 1.5 કિગ્રા/એક્રના દરે, પૂરતા ભેજ અને ભલામણ કરેલા સંતરે સાથે વાવણી કરવાની રહેશે. બીજને ઉધઈ અને સફેદ ઇથળ જેવી જુવાંતથી બચાવવા માટે વાવણી પહેલાં માટીમાં જંતુનાશક દવાનો ઉપયોગ કરો.
બીજની માપવટ	થિરામ (75% WS) અને ડેલ્ટામેથ્રિન (2.5% WP)થી બીજની માપવટ કરવામાં આવે છે, તેથી વાવણી પહેલાં બીજને પલાળી રાખશો નહીં
સેમીમાં અંતર (બે હરિળ વચ્ચે અને બે છોડ વચ્ચે)	
વરસાદ/આધારિત/સિંચાઈ/આધારિત 60000 છોડ/એકર	45x10 cm

ખાતરની ભલામણ	છાણીયું ખાતર જમીનની ફળકૃપતામાં સુધારો કરે છે. પાકના વિવિધ તબક્કાએ રાસાયણિક ખાતરનો ઉપલબ્ધતા સુનિશ્ચિત કરે છે.					
છાણીયું ખાતર અને રાસાયણિક ખાતરની ભલામણ						
			છાણીયું ખાતર ટન/ એકર	યુરિયા (કિલો/ એકર)	ડી એ પી (કિલો/ એકર)	પોટાશ (કિલો/ એકર)
	વરસાદ આધારિત 60000 છોડ/એકર		3	40	20	20
	ખે પડ્ડી હોય તો વરસાદ આધારિત/ ગુણવત્તક સિંચાઈ 60000 છોડ/એકર		4	60	40	20

રાસાયણિક ખાતર આપવાનો સમય							
				છાણીયું ખાતર ટન/ એકર	યુરિયા (કિલો/ એકર)	ડી એ પી (કિલો/ એકર)	પોટાશ (કિલો/ એકર)
	વરસાદ આધારિત 60000 છોડ/એકર	છાણીયું ખાતર	3	5	20	20	
		મુંસુ ઝી-1-4 અવધિ	18				
		મુંસુ ઝી-1-7 અવધિ	17				
	ખે પડ્ડી હોય તો વરસાદ આધારિત/ ગુણવત્તક સિંચાઈ 60000 છોડ/એકર	છાણીયું ખાતર	4	20	40	20	
		મુંસુ ઝી-1-4 અવધિ	20				
		મુંસુ ઝી-1-7 અવધિ	20				

આંતરખેતી	પાકના વાવેતરના શરૂઆતના તબક્કામાં નીંદણ વિચંત્રણ ખૂબ જ જરૂરી છે. નીંદણ વિચંત્રણ માટે યોગ્ય પદ્ધતિઓ ઉપયોગ કરો.
સિંચાઈ	વાવણી સમયે, કૂતો અને વ્યારે અને દાણા અવાળાના સમયે જમીનમાં યોગ્ય તેજો ફેળી શકે.
નીર્દાણ વિચંત્રણ	હાથથી નીંદણ કરીને અથવા મશીનવાળાઓનો ઉપયોગ કરીને નીંદણ કરવું પડે. નીર્દાણ વિચંત્રણ માટે તેના ઉપર પહેલાં એપ્રિલ 50%WPM (250 ગ્રામ/એકર)નો ઉપયોગ કરી શકાય.
ગુણવત્તા અને ગુણો	ગુણવત્તા: ગુણવત્તાના કારણે પાકને વિવિધ તબક્કામાં નીંદણ પહેરે છે. સોંઠાની અને ગાંભીરતાની ઘેળા મુજબ ચુંત્રો છે જે ઉપજ ઘટાડે છે. ગુણો: અથવા ગુણવત્તામાં ઉધર, સંકે દેવા, ભૂરા કાંતીયા, તાંત અને ઈશળ છે.